

**JP-1-04****PAPER I / प्रश्न-पत्र I****Bengali Language Supplement****बंगाली भाषा परिशिष्ट****PART IV & V / भाग IV & V****Test Booklet Code****परीक्षा पुस्तिका संकेत****Test Booklet No.****परीक्षा पुस्तिका संख्या**

This booklet contains 20 pages.  
इस पुस्तिका में 20 पृष्ठ हैं ।

**Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.**

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।

**Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 19 & 20) of this Test Booklet.**

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

**A****304653**

**For instructions in Bengali see Page 2 of this Booklet. / बंगाली में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें ।**

**INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES****परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- |   |   |
|---|---|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer EITHER Part IV (Language I) OR Part V (Language II) in BENGALI language, but NOT BOTH.</li> <li>2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.</li> <li>3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.</li> <li>4. Use Blue / Black Ball Point Pen only for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.</li> <li>5. The CODE for this Language Booklet is A. Make sure that the CODE printed on Side-2 of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.</li> <li>6. This Test Booklet has two Parts, IV and V, consisting of 60 Objective Type Questions, each carrying 1 mark :<br/>Part-IV : Language I - (Bengali) (Q. 91 to Q. 120)<br/>Part-V : Language II - (Bengali) (Q. 121 to Q. 150)</li> <li>7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali language have been given. In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a language other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.</li> <li>8. Candidates are required to attempt questions in Part -V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.</li> <li>9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.</li> <li>10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.</li> </ol> | <ol style="list-style-type: none"> <li>1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग IV (भाषा I) या भाग V (भाषा II) बंगाली भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन दोनों नहीं ।</li> <li>2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।</li> <li>3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।</li> <li>4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करें ।</li> <li>5. इस भाषा पुस्तिका का संकेत है A । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।</li> <li>6. इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग IV और V हैं, जिनमें 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :<br/>भाग-IV : भाषा I - (बंगाली) (प्र. 91 से प्र. 120)<br/>भाग-V : भाषा II - (बंगाली) (प्र. 121 से प्र. 150)</li> <li>7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगाली भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगाली के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए ।</li> <li>8. परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।</li> <li>9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।</li> <li>10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।</li> </ol> |
|---|---|

Name of the Candidate (in Capitals) : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Roll Number : in figures \_\_\_\_\_

अनुक्रमांक : (अंकों में) \_\_\_\_\_

: in words \_\_\_\_\_

: (शब्दों में) \_\_\_\_\_

Centre of Examination (in Capitals) : \_\_\_\_\_

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Candidate's Signature : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

Invigilator's Signature : \_\_\_\_\_

निरीक्षक के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent \_\_\_\_\_



A

(2)

Bengali-I

বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা সমন্বিত

JP-1-04

পরীক্ষা পুস্তিকা কোড

প্রশ্ন পত্র I

বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট

ভাগ IV &amp; V



যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠ 19 & 20) মুদ্রিত নির্দেশ গুলি মন দিয়ে পড়ুন।

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ :

- যে সব পরীক্ষার্থী বাংলা ভাষায় ভাগ IV (ভাষা I) (Part IV, Language I) অথবা ভাগ V (ভাষা II) (Part V, Language II) - এর কিছু দুটিরই নয় - উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
- পরীক্ষার্থীরা ভাগ I, II, III এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ IV এবং V এর উত্তর তাদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
- ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার ভাগ IV এবং ভাগ V এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা-পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
- এই পৃষ্ঠার বিবরণ গুলি লেখার জন্য এবং উত্তর পত্রে উত্তর চিহ্নিত করণের জন্য কেবলমাত্র নীল/কালো ব্লু পয়েন্ট পেনই ব্যবহার করতে হবে।
- বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড A. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর পত্রের দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা নিরীক্ষক (invigilator) - এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
- এই পরীক্ষা পুস্তিকাটি IV এবং V - এই দুই ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে 60টি বহুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective Type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বহুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :  
ভাগ IV : ভাষা I - (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 91 থেকে 120)  
ভাগ V : ভাষা II - (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 121 থেকে 150)
- ভাগ IV এ ভাষা I এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন এবং ভাগ V এ ভাষা II এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন। যদি ভাষা I এবং/অথবা ভাষা II এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয় - তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।
- পরীক্ষার্থীদের ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে - যা তার ভাষা I (ভাগ IV) এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা। অর্থাৎ ভাষা I (ভাগ IV) এবং ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।
- পরীক্ষা পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (rough work) - এর জন্য নির্দিষ্ট খালি জায়গার মধ্যেই rough work করতে হবে।
- সব উত্তর (OMR) উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিত করণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে

পরীক্ষার্থীর নাম (ছাপার অক্ষরে) : \_\_\_\_\_

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : \_\_\_\_\_

: (অক্ষরে) \_\_\_\_\_

পরীক্ষা কেন্দ্র (ছাপার অক্ষরে) : \_\_\_\_\_

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : \_\_\_\_\_ পরীক্ষা নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent \_\_\_\_\_

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলা কে  
ভাষা I হিসাবে নির্বাচিত  
করেছেন, তারা-ই-শুধু এই  
অংশের উত্তর দেবেন ।

নির্দেশ : নিম্নলিখিত অংশটি অবলম্বনে প্রশ্নগুলির উত্তর দাও ।

যাহা হউক, দেখা যাইতেছে সবই একাকার হইয়া পড়ে, জগৎটা না থাকিবার মতোই হইয়া আসে । যাহা দেখিতেছি তাহা যে তাহাই নহে, ইহাই ক্রমাগত মনে হয় । এইজন্যই জগৎকে কেহ কেহ মিথ্যা বলেন । কিন্তু আর এক রকম করিয়া জগৎকে হয়তো সত্য বলা যাইতে পারে ।

সত্য যাহা তাহা অদৃশ্য, তাহা কখনো ইন্দ্রিয়গ্রাহ্য নহে, তাহা একটা ভাব মাত্র । কিন্তু ভাব আমাদের নিকট নানারূপে প্রকাশ পায়, ভাষা আকারে, অক্ষর আকারে, বিবিধ বস্তুর বিচিত্রবিন্যাস আকারে । তেমনি প্রকৃত জগৎ যাহা তাহা অদৃশ্য, তাহা কেবল একটা ভাব মাত্র, সেই ভাবটি আমাদের চোখে বহির্জগৎরূপে প্রকাশিত হইতেছে । যেমন যাহা পদার্থ নহে যাহা একটি শক্তি মাত্র তাহাকেই আমরা বিচিত্র বর্ণরূপে আলোকরূপে দেখিতেছি ও উত্পন্নরূপে অনুভব করিতেছি, তেমনি যাহা একটি সত্ত্যমাত্র তাহাকে আমরা বহির্জগৎরূপে দেখিতেছি । একজন দেবতার কাছে হয়তো এ জগৎ একেবারেই অদৃশ্য, তাঁহার কাছে আকার নাই, আয়তন নাই, গন্ধ নাই, শব্দ নাই, স্পর্শ নাই, তাঁহার কাছে কেবল একটা জানা আছে মাত্র । একটা তুলনা দিই । তুলনাটা ঠিক না হউক একটুখানি কাছাকাছি আসে । আমার যখন বর্ণপরিচয় হয় নাই, তখন যদি আমার নিকটে একখানা বই আনিয়া দেওয়া হয় - তবে সে বইয়ের প্রত্যেক আঁচড় আমার চক্ষে পড়ে, প্রত্যেক

বর্ণ আলাদা আলাদা করিয়া দেখিতে পাই ও সমস্তটা অনর্থক ছেলেখেলা মনে করি । কিন্তু যখন পড়িতে শিখি, তখন আর অক্ষর দেখিতে পাই না । তখন বস্তুত বইটা আমার নিকটে অদৃশ্য হইয়া যায়, কিন্তু তখনি বইটা যথার্থত আমার নিকটে বিরাজ করিতে থাকে । তখন আমি যাহা দেখি তাহা দেখিতে পাই না, আর-একটা দেখিতে পাই । তখন আমি বস্তুত দেখিলাম গ-য়ে আকার হ (গাছ), কিন্তু তাহা না দেখিয়া দেখিলাম একটা ডালপালা-বিশিষ্ট উদ্ভিদ পদার্থ । কোথায় একটা কালো আঁচড় আর কোথায় একটা বৃহৎ বৃক্ষ । কিন্তু যতক্ষণ পর্যন্ত না আমরা বুঝিয়া পড়িতে পারি ততক্ষণ পর্যন্ত ঐ আঁচড়গুলো কি সমস্তই মিথ্যা নহে ! যে ব্যক্তি সাদা কাগজের উপরে হিডিবিজি কাটে তাহাকে কি আমরা নিতান্ত অকর্মণ্য বলিব না ! কারণ অক্ষর মিথ্যা । আমার একরূপ অক্ষর আর-একজনের আর-একরূপ অক্ষর । ভাষা মিথ্যা । আমার ভাষা এক তোমার ভাষা আর-এক । আজিকার ভাষা এক কালিকার ভাষার আর-এক । এ ভাষায় বলিলেও হয় ও ভাষায় বলিলেও হয় । গাছ বলিয়া একটা আওয়াজ শুনিলে আমি মনের মধ্যে যে জিনিষটা দেখিতে পাইব, আর একজন ব্যক্তি ত্রী বলিয়া একটা আওয়াজ না শুনিলে ঠিক সে জিনিষটা মনে আনিতে পারিবে না । অতএব দেখা যাইতেছে অক্ষর ও ভাষা তুমি ঘরে গড়িয়া বন্দোবস্ত করিয়া বদল করিতে পার কিন্তু তাহারি আশ্রিত ভাবটিকে খেয়াল অনুসারে বদল করা যায় না, তাহা ধ্রুব ।

91. সত্য যাহা তাহা \_\_\_\_\_, তাহা কখনো \_\_\_\_\_ নহে, তাহা একটা \_\_\_\_\_ মাত্র ।

- (1) ইন্দ্ৰিয়গ্রাহ্য, ভাব, অদৃশ্য
- (2) অদৃশ্য, ভাব, ইন্দ্ৰিয়গ্রাহ্য
- (3) অদৃশ্য, ইন্দ্ৰিয়গ্রাহ্য, ভাব
- (4) ভাব, ইন্দ্ৰিয়গ্রাহ্য, অদৃশ্য

92. একজন দেবতার কাছে হয়তো এ জগৎ একেবারেই অদৃশ্য, তাঁহার কাছে আকার নাই, আয়তন নাই, গন্ধ নাই, শব্দ নাই, স্পর্শ নাই, তাঁহার কাছে কেবল একটা জানা আছে মাত্র । – বাক্যটি

- (1) মিশ্র বাক্য
- (2) জটিল বাক্য
- (3) যৌগিক বাক্য
- (4) সরল বাক্য

93. গ-য়ে আকার ছ (গাছ) - শব্দের অর্থ

- (1) একটা ডালপালা – বিশিষ্ট উক্তি পদার্থ ।
- (2) একটা ডালপালাহীন উক্তি পদার্থ ।
- (3) একটা ডাল হাওয়া বিশিষ্ট উক্তি পদার্থ
- (4) একটা ডালপালা বিশিষ্ট চলমান পদার্থ

94. কোথায় একটি কালো আঁচড় আর কোথায় একটা বৃহৎ বৃক্ষ । – এখানে কালো এবং বৃক্ষ শব্দ দুটি যথাক্রমে

- (1) বিশেষ্য, বিশেষ্য
- (2) বিশেষণ, বিশেষ্য
- (3) বিশেষণ, বিশেষণ
- (4) বিশেষ্য, বিশেষণ

95. যে ব্যক্তি সাদা কাগজের উপরে \_\_\_\_\_ কাটে তাহাকে কি \_\_\_\_\_ নিতান্ত \_\_\_\_\_ বলিব না ।

- (1) হিজিবিজি, আমরা, অকর্মণ্য,
- (2) অকর্মণ্য, আমরা, হিজিবিজি,
- (3) হিজিবিজি, অকর্মণ্য, আমরা,
- (4) আমরা, হিজিবিজি, অকর্মণ্য,

96. “এ ভাষায় বলিলেও হয় ও ভাষায় বলিলেও হয়” – নিম্নলিখিত কোন বাক্যটি উপরের বাক্যটির সঙ্গে সঙ্গতি পূর্ণ ?

- (1) এ ভাষায় বললে সঠিক হবে কিন্তু ও ভাষায় সন্দেহ আছে ।
- (2) এ ভাষা বা ও ভাষা একসঙ্গে উপযুক্ত নয় ।
- (3) এ ভাষায় বলায় অসঙ্গতি থাকলেও ও ভাষায় নেই ।
- (4) এ ভাষায় বললে ঠিক হবে, ও ভাষায় বললে ভুল হবেনা ।

97. “তখন আমি যাহা দেখি তাহা দেখিতে পাইনা” – এখানে ‘আমি’ শব্দটি –

- (1) অপাদান কারক
- (2) সম্প্রদান কারক
- (3) কর্তৃকারক
- (4) করণকারক

98. যখন সব একাকার হয়ে পড়ে তখন

- (1) জগৎটা থাকিবার মতোই হইয়া আসে ।
- (2) জগৎটা প্রায় না থাকিবার মতোই হইয়া আসে ।
- (3) জগৎটা আংশিক থাকিবার মতোই হইয়া আসে ।
- (4) জগৎটা না থাকিবার মতোই হইয়া আসে ।

99. 'যাহা দেখিতেছি তাহা যে তাহাই নহে, ইহাই ক্রমাগত মনে হয় ।' – নিম্নলিখিত কোন বিকল্পটি উপরের অংশটির সঙ্গে সাদৃশ্যযুক্ত ?

- (1) যাহা দৃষ্টিগ্ৰাহ্য নহে, তাহা যে তাহাই নহে, ইহাই ক্রমাগত মনে হয় ।
- (2) যাহা দেখিতেছি তাহা যে তাহাই, ইহাই ক্রমাগত মনে হয় না ।
- (3) যাহা দেখিতেছি না, তাহা যে তাহাই নহে, ইহাই ক্রমাগত মনে হয় ।
- (4) যাহা দেখিতেছি তাহা যে তাহাই, ইহাই ক্রমাগত মনে হয় ।

নির্দেশ : নিম্নলিখিত কবিতাটি অবলম্বনে প্রশ্নগুলির উত্তর দাও ।

জনসমুদ্রে জেগেছে জোয়ার,  
হৃদয়ে আমার চড়া ।  
চোরাবালি আমি দূরদিগন্তে ডাকি –  
কোথায় ঘোড়সওয়ার ?  
দীপ্ত বিশ্ববিজয়ী ! বর্শা তোলো ।  
কেন ভয় ? কেন বীরের ভরসা ভোলো ?  
নয়নে ঘনায় বারে বারে ওঠাপড়া ?  
চোরাবালি আমি দূরদিগন্তে ডাকি ?  
হৃদয়ে আমার চড়া ?

100. কবিতার কথক কাকে ডাকছেন ?

- (1) ঘোড়সওয়ার
- (2) চোরাবালি
- (3) হৃদয়
- (4) জনসমুদ্র

101. দীপ্ত বিশ্ববিজয়ী কোন অস্ত্রে সজ্জিত

- (1) খঞ্জর
- (2) তলোয়ার
- (3) বর্শা
- (4) লাঠী

102. কবিতার দ্বিতীয় পংক্তিতে কতগুলি জিজ্ঞাসা চিহ্ন আছে ?

- (1) 03
- (2) 05
- (3) 04
- (4) 06

103. আলোচ্য কবিতাটি কোন ছন্দে লেখা

- (1) কলাকৃত্ত
- (2) দলকৃত্ত
- (3) গদ্যছন্দ
- (4) মিশ্রকলাকৃত্ত

104. প্রথম পংক্তিতে ব্যবহৃত 'জনসমুদ্রে' শব্দটি

কোন অলঙ্কার

- (1) উপমা
- (2) রূপক
- (3) সাদৃশ্য
- (4) উৎপ্রেক্ষা

105. এই কবিতায় প্রথম পংক্তিতে মিলের ছকটি

নিম্নরূপ -

- (1) ক ক গ খ
- (2) ক গ খ ক
- (3) ক খ গ ঘ
- (4) ক খ গ ক

নির্দেশ : নিচের প্রশ্নগুলির বিকল্প উত্তরগুলির মধ্য থেকে সবচেয়ে উপযুক্ত উত্তরটি বেছে লিখুন :

106. পড়ার সময় নীচের কোন ব্যাকরণিক উপাদান ছাত্রছাত্রীদের একটি বাক্য/পাঠ এর বিভিন্ন অংশের মধ্যকার সম্পর্ক বুঝতে সাহায্য করে ?

- (1) ক্রিয়াবিশেষণ
- (2) সর্বনাম
- (3) নামবিশেষ্য
- (4) ক্রিয়াপদগুচ্ছ

107. নীচের কোন বাক্যটি সাংগঠনিক রূপে সঠিক ? (সংকেত : বাসের পিছনে যে ছুটছিল, তার কথা ভাবুন)

- (1) বাসের পিছনে ছুটতে গিয়ে লোকটি পড়ে গেল
- (2) বাসের পিছনে ছুটতে গিয়ে লোকটির মোবাইল ছিটকে পড়ল
- (3) বাসের পিছনে ছুটতে গিয়ে লোকটির কপাল ঘেমে গেল
- (4) বাসের পিছনে ছুটতে গিয়ে লোকটিকে কেউ ডাকল

108. নীচের বিবৃতিগুলির মধ্যে কোনটি শ্রবণগত আচরণের (listening behaviour) বর্ণনা দেয় না ?

- (1) মনোযোগ সহকারে শুনলে শ্রোতা বক্তার কার্যাবলি সম্পর্কে পূর্বানুমান করতে পারে
- (2) মানুষ নির্বাচিত কথা শুনে শেখে, এবং এমন কি অপ্ৰত্যাশিত অব্যক্তিত কথাই সময় কান বন্ধ রাখতে পারে
- (3) কোনো প্রশিক্ষণ ছাড়া প্রকৃতিগত ভাবেই ভালো শ্রোতা হওয়া যায়
- (4) যাবতীয় যোগাযোগের অন্তত অর্ধেক অংশ অধিকার করে থাকে 'শোনা'

109. 'মূলপদ্য' শব্দটির উচ্চারণ শেখানোর জন্য আপনি

- (1) অন্যতম পন্থা হিসেবে বাংলা ভাষায় অনুরূপ একটি শব্দ ব্যবহারের জন্য শিক্ষার্থীদের উৎসাহিত করবেন
- (2) শব্দটির অর্থ নিজে জেনে শিক্ষার্থীদের জানাবেন
- (3) উচ্চারণ-অভিধান ব্যবহার করবেন এবং শিক্ষার্থীদের শোনানোর জন্য শব্দটি মুখে বলবেন
- (4) শিক্ষার্থীদের বলবেন যে শব্দটি দেশি শব্দ নয়

110. 'কোনো গল্পের শিরোনাম, পরিচ্ছেদ – নাম এবং চিত্রায়িত তথ্যাবলির উপর ভিত্তি করে গল্পটির বিষয়বস্তু বোঝার চেষ্টা কর । এ ব্যাপারে তোমার কৌতুহল অনুযায়ী অন্য কোনো দিকও লক্ষ করতে পারো । '

এই পঠন-কর্মটি হচ্ছে \_\_\_\_\_ এর প্রক্রিয়া ।

- (1) দর্শন
- (2) শব্দবোধ
- (3) পূর্বজ্ঞানের ব্যবহার
- (4) পূর্বানুমান

111. একটি রেস্তোরাঁয় 'নীচের ঘোষণাটি লক্ষ করুন । কোন লাইন বা লাইন গুলিতে একটি ভুল রয়েছে ?

উপভোগ করুন গরম গরম মশালাযুক্ত স্ন্যাক্স এবং টাটকা তাজা চকোলেট বিস্কুট ।  
ওদের কী অপূর্ব স্বাদ ।

- (1) ১ম ২য় লাইন
- (2) কেবল ১ম লাইন
- (3) ১ম ও ৩য় লাইন
- (4) কেবল ৩য় লাইন

112. 'আবিষ্কার নীতি' (The Principle of Discovery) বলতে বোঝায় একটি ব্যাকরণ ক্লাসে শিক্ষার্থীরা -

- (1) ব্যাকরণ-ভিত্তিক কার্যকলাপে নিযুক্ত থাকবে যেখানে তাদের পারস্পরিক সহযোগিতার চিন্তা মাথায় রাখতে হবে
- (2) বেশ কিছু উদাহরণ নিয়ে কাজ করতে করতে ব্যাকরণের নির্দিষ্ট কিছু নিয়ম সংগঠিত করবে ।
- (3) একটা কাজ সম্পূর্ণ করতে করতে সচেতন ভাবে ব্যাকরণের নিয়মাবলি মনে রাখবে
- (4) ব্যাকরণগত অশুদ্ধি এড়ানোর জন্য শিক্ষকের সাহায্য নেবে ।

113. Kinesthetic intelligence বা সুষমামণ্ডিত গতিশীল বুদ্ধিবৃত্তি হচ্ছে একটি শিক্ষাগ্রহণ পারঙ্গমতা যেখানে

- (1) শিক্ষার্থীদের অতি উঁচু মানে শ্রবণ দক্ষতা থাকবে এবং তারা ছবি নিরপেক্ষ হয়ে শব্দের মাধ্যমেই চিন্তাভাবনা করতে পারবে
- (2) শিক্ষার্থীরা চমৎকার ভারসাম্যবোধযুক্ত গতিশীল এবং চোখ ও হাতের মধ্যে সমন্বয় সাধিত হয়ে নিজেদের প্রকাশ করতে পারবে
- (3) শিক্ষার্থীদের বোঁক সংগীতের দিকে থাকবে এবং ধ্বনি, ছন্দ এবং নকশার মাধ্যমেই চিন্তা ভাবনা করতে পারবে
- (4) শিক্ষার্থীরা যুক্তি ও সংখ্যাবিন্যাসের মাধ্যমে ধারণাগত রূপে চিন্তা করতে এবং বিচ্ছিন্ন বিচ্ছিন্ন তথ্যাংশ গুলির মধ্যে যোগসাধন করতে পারবে

114. কোনো শিক্ষার্থীর নির্দিষ্ট শিক্ষাগত দক্ষতা বা 'Specific academic aptitudes' – এর অন্তর্গত পর্যবেক্ষণ কোনটি ?

- (1) অপ্রত্যাশিত এবং কখনো কখনো 'বোকার মতো' প্রত্যুত্তর দেয়
- (2) অন্যদের দক্ষতা এবং পারসমতা বুঝতে পারে
- (3) যথোপযুক্ত শারীরিক গঠনের অধিকারী
- (4) পছন্দের বা আগ্রহের ক্ষেত্রগুলিতে দীর্ঘস্থায়ী মনঃসংযোগ ক্ষমতা আছে

115. পূর্ব অভিজ্ঞতার উপরে প্রকৃষ্ট যোগাযোগ স্থাপনের নির্ভরশীলতাকে বলা হয় -

- (1) ধারণা নির্মাণ (concept formation)
- (2) শিক্ষার স্থানান্তরণ (transfer of learning)
- (3) প্রশ্ন করার কৌশল (Questioning technique)
- (4) প্রত্যক্ষ ব্যাখ্যা বিশ্লেষণ প্রদর্শন (Live demonstration)

116. দক্ষতা বিবর্ধনের জন্য উদ্দীপনাকে (stimulation) কাজে লাগানো হয় এমন- একটি শিক্ষক-শিক্ষণ পদ্ধতি হচ্ছে -

- (1) পাঠ-পরিকল্পনা (lesson planning)
- (2) ব্যাখ্যা-বিশ্লেষণ আধৃত ভিডিও দর্শন
- (3) অনুপুঙ্খ-শিক্ষণ (micro-teaching)
- (4) ক্লাস লেকচারের ভালো নোট গ্রহণ

117. নির্বাধ লিখন (free writing), মস্তিষ্ক আন্দোলক (brainstorming), একত্রীকরণ (Clustering) এবং ভাবনার মানচিত্রণ (idea mapping) রচনা প্রক্রিয়ার মধ্যে কোন স্তরটি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ?

- (1) পূর্বলিখন (prewriting)
- (2) খসড়া নির্মাণ (drafting)
- (3) পুনরাবলোকন (revising)
- (4) প্রুফ রিডিং (proof reading)

118. নীচের শব্দগুলির ব্যাকরণগত শ্রেণী কী ?

- কিছু, এবং, আর, ও, নাকি, তাই, সহিত, তবু, ছি ছি
- (1) নাম বিশেষ্য
  - (2) ক্রিয়াবিশেষণ
  - (3) অব্যয়
  - (4) সর্বনাম

119. একটি লিখন কর্ম সম্পাদনের সবচেয়ে কাঙ্ক্ষিত ধারাক্রমটি হবে

- (1) তথ্যসংগ্রহ, ক্রমবিন্যাস, খসড়া নির্মাণ, দ্বিতীয় খসড়া নির্মাণ
- (2) তথ্যসংগ্রহ, ক্রমবিন্যাস, দ্বিতীয় খসড়া নির্মাণ, খসড়া নির্মাণ
- (3) ক্রমবিন্যাস, তথ্যসংগ্রহ, খসড়া নির্মাণ, দ্বিতীয় খসড়া নির্মাণ
- (4) খসড়া নির্মাণ, তথ্যসংগ্রহ, ক্রমবিন্যাস, দ্বিতীয় খসড়া নির্মাণ

120. কোনো ভাষাশিক্ষার ক্লাসে, সাহিত্য পাঠ আমাদের ছাত্রছাত্রীদের \_\_\_\_\_

- (1) কোনো সংস্কৃতির সঙ্গে পরিচয় ঘটায় না
- (2) ভাষার মান্যতাপ্রাপ্ত বৈচিত্র্য-পরিধির সঙ্গে পরিচয় ঘটায়
- (3) ভাষার পুরাতন শৈলীর সঙ্গে পরিচয় ঘটায়
- (4) দুরূহ শব্দ ভাঙারের সঙ্গে পরিচয় ঘটায়

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলা কে  
ভাষা III হিসাবে নির্বাচিত  
করেছেন, তারা-ই-শুধু এই  
অংশের উত্তর দেবেন ।

ভাগ - V  
ভাষা - II  
বাংলা

নির্দেশ : নিম্নলিখিত রচনাটি অবলম্বনে প্রশ্নগুলির উত্তর দাও ।

স্বাধীনতার ব্যুৎপত্তিগত অর্থ - নিজের ইচ্ছায় চলবার অর্থাৎ যা ইচ্ছা তাই করবার ক্ষমতা । এ রকম নিরঙ্কুশ ক্ষমতা কোনও দেশের কোনও লোকের নেই, সর্ব-শক্তিমান ডিক্টেটোরেরও নেই । সকল রাষ্ট্রেই নাবালক, পাগল, জেলখানার কয়েদী ইত্যাদির স্বাধীনতা অল্প । প্রাচীন স্বাধীন ভারতে স্ত্রী আর শূদ্রের অনেক অধিকার ছিল না, ব্রাহ্মণ গুরু পাপে লঘু দণ্ড পেত, কিন্তু অব্রাহ্মণ নিকৃতি পেত না । কমিউনিস্ট দেশের প্রজার স্বাধীনতা অতি সীমাবদ্ধ । দক্ষিণ আফ্রিকায় সংখ্যাগুরু অশ্বেতজাতির অনেক অধিকার নেই । বিলাতে ১৯২০ সালের আগে রোমান ক্যাথলিক প্রজার পূর্ণ অধিকার ছিল না, ১৯১৮ সালের আগে মেয়েদের ভোট ছিল না । ব্রিটিশ আমলে ভারতের প্রজা বিনা বাধায় প্রচুর স্বাবর অস্বাবর সম্পত্তির মালিক হতে পারত, কিন্তু সমাজতন্ত্রী স্বাধীন ভারতে সেই অধিকার সংকুচিত হয়েছে । বর্তমান ব্রিটিশ এবং আরও অনেক ইউরোপীয় রাষ্ট্রের অবস্থাও এই রকম । মোট কথা প্রজার পক্ষে স্বাধীন আর পরাধীন দুই দশাই আপেক্ষিক বা relative ।

আমরা বলে থাকি তুর্ক জাতি অর্থাৎ পাঠান-মোগল কর্তৃক ভারত বিজয়ের পর থেকে ১৯৪৭ সালের আগস্ট পর্যন্ত মোটামুটি ৭০০ বৎসর ভারত পরাধীন ছিল । কিন্তু কেউ কেউ বলেন মুসলমান বিজেতারা ভারতে স্থায়ী ভাবে বসতি করেছিল এবং এদেশের বিস্তর লোক মুসলমান হয়ে বিজেতাদের

সঙ্গে মিশে গিয়েছিল, এই কারণে বাদশা-নবাবদের বিদেশী বলা ঠিক নয়, তাঁদের রাজত্বকালে ভারত পরাধীন ছিল একথাও বলা চলে না । এঁদের যুক্তি অনুসারে কেবল ব্রিটিশ অধিকারেই ভারত পরাধীন ছিল । এ দেশের মুসলমানরাও মনে করে বাদশাহী আর নবাবী আমলে তাদের স্বাধীনতার হানি হয় নি ।

আলোচ্য বিষয়টি কি রকম জটিল তা আরও কয়েকটি দেশের ইতিহাস থেকে জানা যাবে । ১০৬৬ খ্রীষ্টাব্দে নরমান্ডির ডিউক উইলিয়াম যখন ইংল্যান্ড আক্রমণ করে জয়ী হন তখন ইংরেজ জাতি নিশ্চয় পরাধীন হয়েছিল । তারপর শতাধিক বৎসর নরমান অভিজাত বর্ণের সর্বময় কর্তৃত্বের সময় দেশের অধিবাসী অ্যাংলোস্যাকসনরা অধীনতার দুঃখ ভাল করেই ভোগ করেছিল । কিন্তু সেই পরাধীন দশা ক্রমে ক্রমে আপনিই বিলীন হয়ে গেল । বিজেতা আর বিজিতদের মধ্যে ভাষাগত ভেদ ছিল, কিন্তু বর্ণগত ধর্মগত আর আচারগত ভেদ ছিল না । সেজন্য নরমান আর অ্যাংলোস্যাকসন শীঘ্রই সম্পূর্ণভাবে মিশে গেল । সুতরাং এ কথা বলা চলে যে নরমান বিজয়ের পর ইংল্যান্ড দু-এক শ বৎসর মাত্র পরাধীন ছিল ।

121. প্রাচীন স্বাধীন ভারতে কাদের অনেক অধিকার ছিল না ?

- (1) শিশু ও শূদ্র
- (2) স্ত্রী আর শূদ্র
- (3) দরিদ্র ও স্ত্রী
- (4) স্ত্রী ও শিশু

122. বিলেতে যথাক্রমে মেয়েদের ও রোমান ক্যাথলিকদের ভোটার অধিকার কত খৃষ্টাব্দের আগে ছিলনা

- (1) ১৯২০, ১৯১৮
- (2) ১৯১৯, ১৯৩০
- (3) ১৯১৮, ১৯২০
- (4) ১৯৮১, ১৯২১

123. তুর্ক জাতি বলতে বোঝায় -

- (1) পাঠান - মোগল
- (2) রাজপুত - পাঠান
- (3) কুর্দ - মোগল
- (4) আফগান - পাঠান

124. আলোচ্য অংশে মোট কটি প্রদেশ/দেশের নাম উল্লেখ করা হয়েছে

- (1) 05
- (2) 02
- (3) 03
- (4) 04

125. অ্যাংলোস্যাকসনরা কাদের হাতে পরাস্ত হয়েছিল

- (1) নরমাণ্ডি
- (2) পোলাও
- (3) ফিনল্যান্ড
- (4) নরওয়ে

126. আলোচ্য অংশটির মূলভাব হল

- (1) পরাধীন ভারত
- (2) ভারতের স্বাধীনতা সংগ্রাম
- (3) স্বাধীনতার স্বরূপ
- (4) ইংলণ্ডের পরাধীনতা

127. 'এ দেশের মুসলমানরাও মনে করে, বাদশাহী আর নবাবী আমলে তাদের স্বাধীনতার হানি হয় নি।' - আলোচ্য অংশটি কোন বাক্য

- (1) জটিল বাক্য
- (2) সরল বাক্য
- (3) মিশ্র বাক্য
- (4) যৌগিক বাক্য

128. "এ রকম নিরঙ্কুশ ক্ষমতা কোনও দেশের কোনও লোকের নেই, সর্ব-শক্তিমান ডিকটেটোরেরাও নেই।" - এখানে 'ডিকটেটার' শব্দের বাংলা প্রতিশব্দ হল

- (1) গণতন্ত্রী
- (2) প্রজাতন্ত্রী
- (3) অত্যাচারী
- (4) একনায়ক

129. " \_\_\_\_\_ আমলে ভারতের \_\_\_\_\_ বিনা বাধায় প্রচুর \_\_\_\_\_ অস্বাভাব সম্পত্তির মালিক হতে পারত" - শূন্যস্থান পূরণ কর

- (1) ব্রিটিশ, স্বাভাব, প্রজা
- (2) প্রজা, অস্বাভাব, ব্রিটিশ
- (3) ব্রিটিশ, প্রজা, স্বাভাব
- (4) প্রজা, ব্রিটিশ, স্বাভাব

নির্দেশ : নিম্নলিখিত অংশটি অবলম্বনে প্রশ্নগুলির উত্তর দাও ।

ভক্তরাসের নৌকা শক্ত কাঠের তক্তা দিয়ে তৈরি । ভক্তরাস সেই নৌকো সত্তা দামে বিক্রি করে । শক্তিনাথবাবু কিনে নেন । শক্তিনাথ আর মুক্তিনাথ দুই ভাই । যে-পাড়ায় থাকেন তার নাম জেলেবস্তি । তাঁর বাড়ি খুব মস্ত । সামলে নদী, পিছলে বড়ো রাস্তা । তাঁর দরোয়ান শফু সিং আর আক্রম মিশ্র রোজ সকালে কুস্তি করে । শক্তিনাথবাবুর চাকরের নাম অক্ষুব । তাঁর বড়ো ছেলের নাম বিক্রম । ছোটো ছেলের নাম শক্রনাথ । শক্তিবাবু তাঁর নৌকো লাল রঙ করে নিলেন । তার নাম দিলেন রক্তজবা । তিনি মাঝে মাঝে নৌকোয় করে কখনো তিস্তা নদীতে কখনো আত্রাই নদীতে কখনো ইচ্ছামতীতে বেড়াতে যান । একদিন অঘান মাসে পত্র পেলেন, বিপ্রগ্রামে বাঘ এসেছে । শিকারে যাত্রা করলেন । সেদিন শুক্রবার । শুক্রপক্ষের চন্দ্র সবে অস্ত গেছে । আক্রম বন্দুক নিয়ে চললো । আরো দুটো বন্ধম ছিল । সিন্দুকে ছিল গুলি বারুদ । নদীতে প্রবল স্রোত । বেলা যখন দুই প্রহর, নৌকো নন্দগ্রামে পৌঁছলো । রৌদ্র ঝাঁঝী করছে । এক ভদ্রলোক খবর দিলেন, কাছেই বন্দীপুরের বন, সেখানে আছে বাঘ ।

শক্তিবাবু আর আক্রম বাঘ খুঁজতে নামলেন । জঙ্গল ঘন হয়ে এলো । যোর অন্ধকার । কিছু দূরে গিয়ে দেখেন, এক পোড়ো মন্দির । জনপ্রাণী নেই । শক্তিবাবু বললেন, এইখানে একটু বিশ্রাম করি ।

সঙ্গে ছিল লুচি, আলুর দম আর পাঁঠার মাংস । তাই খেলেন । আক্রম খেলো চাটনি দিয়ে রুটি । তখন বেলা পড়ে আসছে । গাছের ফাঁক দিয়ে বাঁকা হয়ে রৌদ্র পড়ে । প্রকাণ্ড অর্জুন গাছের উপর কতকগুলো বাঁদর; তাদের লম্বা ল্যাজ

বুলছে । শক্তিবাবু কিছু দূরে গিয়ে দেখলেন, একটা ছোটো সোঁতা । তাতে এক হাঁটুর বেশি জল হবে না । তার ধারে বালি । সেই বালির উপর বড়ো বড়ো খাবার দাগ । নিশ্চয় বাঘের খাবা । শক্তিবাবু ভাবতে লাগলেন, কী করা কর্তব্য । অঘান মাসের বেলা পশ্চিমে সূর্য অস্ত গেল । সন্ধ্যা হ'তেই যোর অন্ধকার । কাছে তেঁতুল গাছ । তার উপরে দুজনে চড়ে বসলেন । গাছের গুড়ির সঙ্গে চাদর দিয়ে নিজেদের বাধলেন । পাছে ঘুম এলে পড়ে যান । কোথাও আলো নেই । তারা দেখা যায় না । কেবল অসংখ্য জোনাকি গাছে গাছে জ্বলছে ।

শক্তিবাবুর একটু নিদ্রা এসেছে এমন সময় হঠাৎ ধুপু করে একটা শব্দ হওয়াতে চমকে জেগে উঠলেন । দেখলেন কখন বাঁধন আলগা হয়ে আক্রম নীচে পড়ে গেছে । শক্তিনাথ তাকে দেখতে তাড়াতাড়ি নেমে এলেন । হঠাৎ দেখেন, কাছেই অন্ধকারে দুটো চোখ জ্বলজ্বল করছে । কী সর্বনাশ ! এ তো বাঘের চোখ । বন্দুক তোলবার সময় নেই । ভাগ্যে দুজনের কাছে দুটো বিজলি বাতির মশাল ছিল । সে-দুটো যেমনি হঠাৎ জ্বালানো অমনি বাঘ ভয়ে দৌড় দিলে । সে-রাত্রি আবার দুজনের গাছে কাটল । পরের দিন সকাল হল । কিন্তু জঙ্গলের মধ্যে রাস্তা মেলে না, যতই চলেন জঙ্গল বেড়ে যায় । গায়ে কাঁটার আঁচড় লাগে । রক্ত পড়ে । খিদে পেয়েছে । তেষ্টা পেয়েছে । এমন সময় মানুষের গলার শব্দ শোনা গেল । এক দল কাঠুরিয়া কাঠ কাটতে চলেছে । শক্তিবাবু বললেন – তোমাদের ঘরে নিয়ে চলো । রাস্তা তুলেছি । কিছু খেতে দাও । নদীর ধারে একটা টিবিবির পরে তাদের কুঁড়ে ঘর । গোলাপাতা দিয়ে ছাওয়া । কাছে একটা মস্ত বটগাছ । তার জল থেকে লম্বা বুরি নেমেছে । সেই গাছে যত রাজ্যের পাখির বাসা ।

130. নিম্নলিখিত কোন বাক্যগুলি অনুচ্ছেদ অনুযায়ী যথাযথ সাজানো –

- (1) জঙ্গল ঘন হয়ে এলো । কিছু দূরে গিয়ে দেখেন, এক পোড়ো মন্দির । যোর অঙ্ককার । জনপ্রাণী নেই ।
- (2) জঙ্গল ঘন হয়ে এলো । যোর অঙ্ককার । কিছু দূরে গিয়ে দেখেন । এক পোড়ো মন্দির । জনপ্রাণী নেই ।
- (3) কিছু দূরে গিয়ে দেখেন এক পোড়ো মন্দির । জন প্রাণী নেই । যোর অঙ্ককার । জঙ্গল ঘন হয়ে এলো ।
- (4) জনপ্রাণী নেই । যোর অঙ্ককার । জঙ্গল ঘন হয়ে এলো । কিছু দূরে গিয়ে দেখেন । এক পোড়ো মন্দির ।

131. “শক্তিবাবু কিছু দূরে গিয়ে দেখলেন, একটা ছোটো সোঁতা” – ছোটো সোঁতা শব্দটি

- (1) বিশেষণের বিশেষণ
- (2) কোনটিই নয়
- (3) বিশেষ্যর বিশেষণ
- (4) সর্বনামের বিশেষণ

132. বাঘ কেন ভয়ে দৌড় দিয়েছিল -

- (1) বর্ষা দেখে
- (2) বিজলি বাতির মশাল দেখে
- (3) পটাকার আওয়াজ শুনে
- (4) বন্দুকের শব্দ শুনে

133. ‘রক্ত পড়ে ।’ – বাক্যটির গঠন নিম্নলিখিত বিকল্পগুলির মধ্যে কোনটির অনুসারী -

- (1) বিশেষ্য, ক্রিয়া
- (2) বিশেষণ, অব্যয়
- (3) ক্রিয়া, বিশেষ্য
- (4) বিশেষণ, ক্রিয়া

134. “শক্তিবাবুর একটু ঘুম পেয়েছে এমন সময় হঠাৎ রূপ ক’রে একটা শব্দ হওয়াতে ভয়ে জেগে উঠলেন” – আলোচ্য বাক্যটি অনুচ্ছেদের মূল বাক্যের সঙ্গে তুলনা করে দেখান, এখানে কটি শব্দ পরিবর্তন করা হয়েছে

- (1) 03
- (2) 02
- (3) 04
- (4) 01

135. ‘জেলবন্দি’ তে কে থাকেন ?

- (1) শঙ্কু সিং
- (2) আক্রম মিশ্র
- (3) বিক্রমে
- (4) শক্তিনাথ ও মুক্তিনাথ

নির্দেশ : নীচের প্রশ্নগুলির বিকল্প উত্তরগুলির মধ্য থেকে সবচেয়ে উপযুক্ত উত্তরটি বেছে লিখুন :

136. এই পাঠ-পরীক্ষার (reading test) আপনি কীভাবে নম্বর দেবেন ?

প্রশ্ন : ধরমশালা কোথায় অবস্থিত ?

উত্তর ১ : হিমাচল প্রদেশে

উত্তর ২ : ধরমশালা হিমাচল প্রদেশে অবস্থিত

(1) ২য় উত্তরের জন্য ২ নম্বর, ১ম উত্তরের জন্য ০ নম্বর

(2) ১ম উত্তরের জন্য ১ নম্বর, ২য় উত্তরের জন্য ২ নম্বর

(3) ১ম উত্তরের জন্য ২ নম্বর, ২য় উত্তরের জন্য ২ নম্বর

(4) ২য় উত্তরের জন্য  $1\frac{1}{2}$  নম্বর, ১ম উত্তরের জন্য ১ নম্বর

137. ব্যাপক পাঠ (Extensive reading) মানে

(1) অপরিচিত শব্দাবলির অর্থ অনুমান করা

(2) আনন্দের জন্য এবং সাধারণভাবে (মোটামুটি) বোঝার জন্য পড়া

(3) অন্তর্নিহিত কেন্দ্রীয় ভাববস্তু (central theme) বোঝা

(4) পাঠ্যবস্তুর সামগ্রিক বিষয়বস্তু পূর্বানুমান করা

138. শ্রবণ-দক্ষতা (listening skill) মূল্যায়নের জন্য শিক্ষক একটি কর্মবৃত্তি (Activity) সংগঠিত করলেন। মূল্যায়নটি কিসের ভিত্তিতে হতে পারে ?

(1) শিক্ষার্থীদের কোনো দৃশ্য বস্তুকে ব্যাখ্যা করা

(2) একটি স্ক্রিনের চলচ্চিত্র দেখে তার পর্যালোচনা করা

(3) একটি শ্রুতিবদ্ধ রেকর্ডের (audio recording) উপর ভিত্তি করে একটি ছককাটা সারণী (tabulation) নির্মাণ করা

(4) শিক্ষার্থী একটি পাঠ্যবস্তুর সরব পাঠ করবে

139. অনুসন্ধানমূলক শিক্ষা (Enquiry-Based Learning/EBL) হচ্ছে সেই ধরনের শিক্ষা যেখানে

(1) শিক্ষক একটি করণীয় কাজ (task) নির্ধারণ করেন এবং শিক্ষার্থীদের শেখার কাজটিতে মদত যোগান অথবা সেটিকে সহজ করে তোলেন

(2) শিক্ষার্থীরা নিজের নিজের অনুসন্ধিৎসা চরিতার্থ করবে

(3) উল্লিখিত (1) এবং (2) – দুই-ই হবে

(4) কেবল উল্লিখিত (2) হবে

140. উদ্ধৃতিটি পড়ুন

‘পাখির নীড়ের মতো চোখ তুলে নাটোরের বনলতা সেন।’ পংক্তিটিতে কোন কাব্য অলঙ্কার ব্যবহৃত হয়েছে ?

(1) উপমা (2) রূপক

(3) সমাসেজি (4) যমক

141. মোনার ড্রাইভিং দক্ষতা বিকাশের প্রচুর সুযোগ ছিল।

নিম্নরেখ বাক্যাংশটি তৈরি করছে -

- (1) মোনার উৎকৃষ্ট ড্রাইভিংয়ের বাক-প্রতিমা (imagery)
- (2) সতর্ক গাড়ি ড্রাইভিংয়ের প্রতীক (symbol)
- (3) মোনার অদক্ষ অর্থাৎ কাঁচা ড্রাইভিংয়ের সুভাষণ (euphemism)
- (4) মোনার অতীত ও বর্তমান ড্রাইভিং দক্ষতার তুলনা (comparison)

142. 'প্রাক-পঠন' (pre-reading) শিক্ষা পর্বে কোনো পাঠ্য বস্তু (reading materials) ছাড়া যে আলাপ আলোচনা হয়-তার সঙ্গে সবচেয়ে বেশি ঘনিষ্ঠ ভাবে যুক্ত -

- (1) সংবর্তনী-সঞ্জননী পন্থা (Generative-transformation approach)
- (2) প্রশ্নোত্তর লিখিয়ে দেওয়ার পদ্ধতি
- (3) ব্যাকরণ-অনুবাদ পদ্ধতি (grammar-translation method)
- (4) শ্রবণ-উচ্চারণগত পদ্ধতি (audio-lingual method)

143. বিরাম-চিহ্ন : ঠিক উত্তরটি নির্বাচন করুন।

'বৃষ্টি-না হলে - \_\_\_\_\_ বেড়াতে যাব।'

- (1) অবশ্য মেঘ করেছে \_\_\_\_\_ বৃষ্টি হতেও পারে,
- (2) অবশ্য মেঘ করেছে, বৃষ্টি হতেও পারে \_\_\_\_\_
- (3) অবশ্য মেঘ করেছে। বৃষ্টি হতেও পারে,
- (4) অবশ্য মেঘ করেছে : বৃষ্টি হতেও পারে;

144. যে সব স্কুলে সাধারণ শিক্ষা ও বিশেষ প্রয়োজনমুখী শিক্ষার (general and special education) মধ্যে প্রভেদ থাকে না, সেসব স্কুলকে বলা হয়

- (1) বিশিষ্ট বা বিশেষ প্রয়োজনমুখী স্কুল (specialized school)
- (2) বর্জনশীল (exclusive) স্কুল
- (3) উৎকৃষ্ট বা প্রমিত (standard) স্কুল
- (4) গ্রহণশীল (inclusive) স্কুল

145. শিক্ষাবর্ষ শেষে শিক্ষক তাঁর শিক্ষার্থীদের শ্রবণ-অনুধাবন (listening comprehension), কথন (speaking), পঠন (reading) এবং লিখনের (writing) পরীক্ষা নেন। এই মূল্যায়নের উদ্দেশ্য

- (1) শিক্ষার্থীদের ভাষা শিক্ষাগত দক্ষতার পরিমাপ করা
- (2) শিক্ষককে পাঠ্যক্রমের উদ্দেশ্য নিরূপণ করতে সহায়তা করা
- (3) শিক্ষার্থীদের অর্জিত জ্ঞান (overall proficiency) পরিমাপ করা
- (4) ভাষা শিক্ষার ক্লাসের প্রতি শিক্ষার্থীদের মনোভঙ্গি (attitudes) নির্ধারণ করা

146. 'ই-লার্নিং' হচ্ছে

- (1) দূর-শিক্ষা (distance education)
- (2) সক্রিয় রূপে সংযুক্ত হার্ডওয়্যার (actively integrating hardware)
- (3) প্রযুক্তিকে (technology) ব্যবহার করে সংমিশ্রিত শিক্ষণ
- (4) তথ্য-চিত্র নির্মাণ

147. যদি একজন শিক্ষক তাঁর শিক্ষার্থীদের বাংলা পড়তে শেখানোর জন্য প্রামাণ্য পাঠ-বস্তু (authentic materials) বেছে নিতে চান, তবে এগুলির মধ্যে কোনটি গ্রহণ করা ঠিক হবে না ?

- (1) কোনো বাংলা সংবাদপত্র
- (2) ইংরেজি সংবাদপত্রে প্রকাশিত পশ্চিম বঙ্গের উপর একটি নিবন্ধের বাংলা অনুবাদ
- (3) কোলকাতার কোনো কোম্পানিতে ব্যবহৃত বাংলাভাষায় ছাপা চাকরির আবেদন পত্র।
- (4) বর্ধমান শহরের পথনির্দেশিকা চিহ্নের (street signs) আলোকচিত্রাবলি।

148. ভাষা-বহির্ভূত যোগাযোগের একটি মাধ্যম হচ্ছে

- (1) কথ্য শব্দ (spoken words)
- (2) অঙ্গ-সংকেত বা ইস্তিত (gestures)
- (3) সংখ্যা (numbers)
- (4) মুদ্রিত শব্দ (printed words)

149. এগুলির মধ্যে কোন সুবিধাটি সাধারণভাবে সমরায়িক দলবদ্ধ শিক্ষা পরিস্থিতির (cooperative group learning) সঙ্গে যুক্ত নয় ?

- (1) শিক্ষার্থীদের অনুশীলনের জন্য ক্লাসের সময় বেশি দেওয়া
- (2) আপেক্ষাকৃত শান্ত, অধিকতর শৃঙ্খলাবদ্ধ শ্রেণীকক্ষ
- (3) শিক্ষক-কেন্দ্রিক অধ্যয়নের একটি বিকল্প
- (4) সহজেই নিরুৎসাহ হয় এমন শিক্ষার্থীদের অনুপ্রাণিত করার জন্য সহপাঠীদের সক্রিয় অংশ গ্রহণ

150. পাঠের ক্ষেত্রে অনুমান (inferencing) দক্ষতার সঙ্গে যুক্ত কোনটি ?

- (1) কোনো অনুচ্ছেদে কথিত পাঠ-উপাদান গুলি থেকে অকথিত উপাদানের দিকে পৌঁছানো
- (2) পাঠ্য রচনার বিভিন্ন অংশে উল্লেখিত তথ্যাদির মধ্যে যোগ খুঁজে পাওয়া
- (3) পাঠ্য রচনার ফলশ্রুতি বুঝতে উল্লেখিত অনুমানগুলি ব্যবহার করা
- (4) অপরিচিত শব্দাবলির অর্থ খোঁজ করা

**A**

**(18)**

**Bengali-I**

**SPACE FOR ROUGH WORK**

নিম্নলিখিত নির্দেশ গুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে (OMR) উত্তর পত্রে কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই নীল/কালো বল পয়েন্ট পেন দিয়ে ভরাট করতে হবে। একবার উত্তর চিহ্নিত করণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না।
2. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবেনা, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না। পরীক্ষার্থী তার ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না।
3. পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন। কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা পুস্তিকা দেওয়া হবে না। (শুধুমাত্র পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে।
4. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা পুস্তিকা/উত্তর পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন।
5. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিক উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ চুকতে দেওয়া হবে না।
6. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তার প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন।
7. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তার আসন ছেড়ে উঠবেন না।
8. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল থেকে বেরোবেন না। যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর পত্র জমা করেন নি - এবং ব্যাপারটিকে দন্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে।
9. ইলেক্ট্রনিক / হস্তচালিত ক্যালকুলেটরর ব্যবহার নিষিদ্ধ।
10. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য। কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ীই সম্পন্ন হবে।
11. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা পুস্তিকা ও উত্তর পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না।
12. পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-কক্ষ ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর পত্রটি অবশ্যই কক্ষ-নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন। পরীক্ষা পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই - পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন।

**READ CAREFULLY THE FOLLOWING INSTRUCTIONS:**

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/ room.
6. Each candidate must show on demand his / her Admission Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room / Hall. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.

**निम्नलिखित निर्देश ध्यान से पढ़ें :**

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
4. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा।
9. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
10. परीक्षा-हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
12. परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष / हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।